



अंक : 01
वर्ष : 01

सत्याग्रह

अध्यक्ष,
कार्यकारिणी समिति
की कलम से

बापू टावर का प्रकाशन

मार्च
2026



बापू टावर संग्रहालय महात्मा गांधी के जीवन एवं सिद्धांतों को प्रदर्शित करने वाला देश का पहला आधुनिक संग्रहालय है। महात्मा गांधी की 150 वीं जयंती के अवसर पर 2 अक्टूबर, 2018 को माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार द्वारा इस भवन का शिलान्यास किया गया एवं इसका उद्घाटन 2 अक्टूबर, 2024 को उन्हीं के कर कमलों से सम्पन्न हुआ। माननीय मुख्यमंत्री की इच्छा के अनुरूप इस संग्रहालय में ऑडियो-विडियो क्लिप, म्यूरल, मैनविपन एवं कट आउट के माध्यम से बापू के जीवन दर्शन एवं भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में उनके अमूल्य योगदान को क्रमबद्ध रूप से दर्शाया गया है। संग्रहालय का मुख्य उद्देश्य युवा पीढ़ी को महात्मा गांधी के मूल्यों एवं कार्यों से अवगत कराना एवं उनके आदर्शों के प्रति अभिप्रेरित करना है। बापू टावर एक अनूठे एवं भव्य भवन से अधिक महात्मा गांधी द्वारा प्रतिपादित मूल्यों एवं सिद्धांतों का प्रतीक है। इस संग्रहालय में 05 रैम्प, 03 प्रदर्श गैलरी, प्रेक्षागृह, अस्थायी प्रदर्शनी दीर्घा, कार्यालय कक्ष, प्रतीक्षालय, सोविनियर शॉप एवं जलपान गृह है। यह म्यूजियम उच्च आदर्शों एवं मूल्यों को नयी पीढ़ी तक पहुँचाने का उपक्रम है। इस संग्रहालय में महात्मा गांधी के विचारों एवं सिद्धांतों के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से कई तरह के कार्यक्रम यथा पेंटिंग प्रतियोगिता, सेमिनार, इंटरनशिप, गांधी संगीत, व्याख्यान, गांधी ज्ञान परीक्षा आदि का आयोजन किया जाता है। बापू टावर की इन तमाम गतिविधियों की जानकारी देने के उद्देश्य से इस न्यूज़ लेटर का प्रकाशन किया जा रहा है। इसके पहले अंक के लिए मैं बापू टावर के निदेशक एवं इसके सम्पादक श्री विनय कुमार एवं उनकी पूरी टीम को बधाई देता हूँ। मुझे उम्मीद है यह पहला अंक आपको पसंद आएगा।

शुभकामनाओं के साथ

कुमार रवि
सचिव, भवन निर्माण विभाग-सह
अध्यक्ष, कार्यकारिणी समिति, बापू टावर, पटना



बापू टावर

महात्मा गाँधी का आधुनिक संग्रहालय

न्यूज लेटर

प्रधान संपादक

कुमार रवि

संपादक

विनय कुमार

प्रबंध संपादक

ललित कुमार सिंह

कार्यकारी संपादक

प्रत्यूष चन्द्र मिश्रा

कला संपादक

उमेश कुमार शर्मा

प्रबंधन

किरण कुमारी

अजय कुमार सिंह

अरुण कुमार पाठक

सहयोग

अजय कुमार

सुधांशु शेखर

मो. असलम

प्रकाशक

बापू टावर समिति

मुद्रक

भारत प्रिंटिंग वर्क्स, पटना

बापू टावर

भवन निर्माण विभाग, बिहार का संग्रहालय

गर्दनीबाग, पटना-800001

बिहार

ई-मेल : contact@baputower.org

मो. : 9264293008

अनुक्रम • खण्ड - 1

बापू टावर के अपने कार्यक्रम

1.	अध्यक्ष कार्यकारिणी समिति की कलम से	1
2.	संपादक की कलम से	5
3.	बापू टावर का उद्घाटन	6
4.	'गांधी' फिल्म का प्रदर्शन	7
5.	गांधी की प्रासंगिकता आज भी है और कल भी रहेगी	8
6.	गांधी म्यूरल्स का लोकार्पण सह पॉटरी वर्कशॉप का आयोजन	9
7.	कला के कैनवस पर गांधी	11
8.	कला पर फिल्में और संवाद	12
9.	बापू टावर में विश्व पर्यावरण दिवस पर पौधारोपण	13
10.	बापू टावर में तुषार गांधी	14
11.	गांधी अपने आप में मिसाल हैं	15
12.	'रंगभूमि' प्रेमचंद की सबसे सच्ची और प्रभावी कृति है	16
13.	रंगकर्मी की आवाज में बापू	18
14.	रंगों में जीवित अगस्त क्रांति	19
15.	बापू टावर में मनायी गयी पं. राजकुमार शुक्ल की 150वीं जयन्ती	27
16.	बापू टावर में रंग पोएट्री मीट का आयोजन	27
17.	भारतेन्दु से गांधी तक : हिन्दी नवजागरण	28
18.	गांधी दर्शन पर आधारित इंटरनशिप की शुरुआत	29
19.	बी. डी. कॉलेज में 'छात्र गांधी' पर संवाद	30
20.	पं. तरुण भट्टाचार्या ने छेड़े संतूर के सुर	31



अनुक्रम • खण्ड - 2

बापू टावर का संयुक्त आयोजन

21. रुचिरा केदार का शास्त्रीय गायन	32
20. सत्याग्रह इंटरनशिप	32
22. गांधी ज्ञान परीक्षा का अयोजन	32
23. महात्मा गांधी के प्रिय भजन पर सुर-संध्या	33
24. स्पीक मैके के सहयोग से आयोजित हुआ पं. शुभेन्द्र राव का सितार वादन	34
25. गांधी जी पर आधारित डाक टिकटों की प्रदर्शनी	34
26. निनाद के द्वारा शास्त्रीय रागों और कथक पर कार्यक्रम	35
27. ज्योतिष जोशी की किताब पर पाटल संवाद	36
28. पाटल संवाद में गरिमा के कोठे पर विमर्श	37
29. सीमाओं से परे रामायण की विरासत	38
30. मंच पर विदेशी नृत्य रंग	39

बापू टावर भ्रमण का समय

संग्रहालय प्रवेश : 10 बजे पूर्वा. से 4 बजे अप.

रेस्टोरेंट

बापू टावर अवस्थित संग्रहालय/परिसर में भ्रमण हेतु प्रवेश शुल्क

क्र.सं.		
1	भारतीय वयस्क (12 वर्ष से ऊपर)	₹50/-
2	भारतीय बच्चे (05 से 12 वर्ष)	₹10/-
3	विदेशी वयस्क (12 वर्ष से ऊपर)	₹300/-
4	विदेशी बच्चे (05 से 12 वर्ष)	₹100/-
5	स्कूल/कॉलेज/विश्वविद्यालय (विद्यार्थी) तथा 25 की संख्या से अधिक के संस्थागत दर्शकों के सभी समूह	निःशुल्क
6	दिव्यांग/वृद्धजन (70 वर्ष से ऊपर)	निःशुल्क
7	विशेष अवसरों यथा 15 अगस्त, 26 जनवरी, 2 अक्टूबर, 30 जनवरी आदि पर सचिव-सह-अध्यक्ष कार्यकारिणी समिति के अनुमोदन से	निःशुल्क



संपादक की कलम से

बापू टावर के न्यूज लेटर 'सत्याग्रह' का पहला अंक आपके सामने है। बापू टावर महात्मा गांधी का एक आधुनिक संग्रहालय है जिसका लक्ष्य बापू के विचारों को अंतिम जन तक पहुँचाने का है। यही कारण है कि हमने बापू टावर में इंटरनशिप, फेलोशिप, पुस्तकालय, अन्य कई परस्पर संवादी गतिविधियों के साथ बुलेटिन प्रकाशन शुरू की है। पत्र-पत्रिकाएं संवाद का सशक्त मंच रही हैं। वर्तमान दौर में जब समाज में तीव्र गति से भूमंडलीकरण और तकनीकी विस्फोट हो रहा है, उपभोक्तावादी संस्कृति, घटती सहिष्णुता, पर्यावरण बहुमुखी संकट, सर्वधर्म और बहुलतावादी संस्कृति के प्रति घटती आस्था के कारण कई तरह के संकटों के दौर से गुजर रहा है, ऐसे में हमें गांधी एक उम्मीद की किरण के रूप में नजर आते हैं। वर्तमान समय में जब महात्मा गांधी को लेकर समाज में एक समानांतर विचार सोशल मीडिया तथा अन्य माध्यमों के जरिए फैलता नजर आता है, ऐसे में बापू टावर संग्रहालय और उसकी गतिविधियाँ बिहार में महात्मा गांधी के योगदान को न केवल स्थापित करता है बल्कि बहुत सारे प्रश्नों के उत्तर भी सरल और आकर्षक तरीके से देता है।

बापू टावर का न्यूज लेटर 'सत्याग्रह' ऐसे विचारों को जगह देने की कोशिश लोकतांत्रिक तरीके से करेगा। यद्यपि पहले अंक में आप बापू टावर के अपने कार्यक्रम एवं संयुक्त तत्वावधान में किये गये कार्यक्रमों की एक झलक प्राप्त कर सकेंगे। इसके अतिरिक्त भविष्य के अंक में हम महात्मा गांधी के विचारों और उनपर विचारोत्तेजक लेख, कहानी, कविता तथा अन्य रचनात्मक सामग्री को स्थान देंगे। 'सत्याग्रह' का यह पहला अंक आप सब के लिए इस उम्मीद के साथ प्रस्तुत है कि आप सब अपने बहुमूल्य सुझावों या प्रतिक्रिया से हमें अवगत करायेंगे। शुभकामनाओं के साथ !

विनय कुमार
निदेशक, संग्रहालय
बापू टावर

बापू टावर का उद्घाटन



बापू टावर का उद्घाटन करते हुए माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार

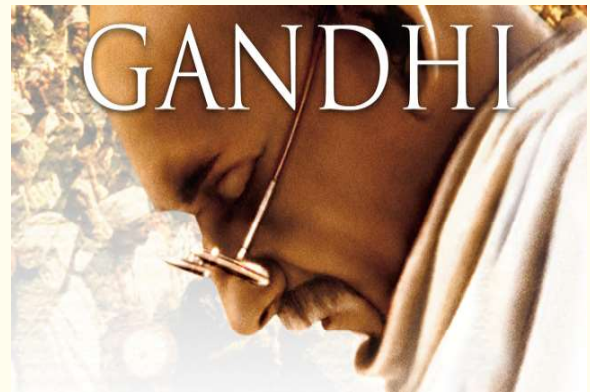
माननीय मुख्यमंत्री के निर्देश पर राज्य सरकार द्वारा 10 अप्रैल, 2017 से 20 अप्रैल, 2018 तक चंपारण सत्याग्रह शताब्दी समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर पटना के ज्ञान भवन में दिनांक-10 एवं 11 अप्रैल, 2017 को राष्ट्रीय विमर्श कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के दौरान माननीय मुख्यमंत्री द्वारा पटना में संग्रहालय के स्वरूप में बापू टावर के निर्माण की घोषणा की गयी। मुख्यमंत्री ने कहा कि बापू टावर में गांधी जी के विचार प्रदर्शित होंगे और लोग घूम-घूम कर बापू के बारे में विस्तारपूर्वक जान सकेंगे। उन्होंने कहा कि पूरी योजना पर काम चल रहा है और यह अद्वितीय

होगा। इसे देखने के लिए देश भर के लोग आयेंगे। माननीय मुख्यमंत्री की परिकल्पना के अनुरूप भवन निर्माण विभाग द्वारा गर्दनीबाग, पटना में कुल 7 एकड़ भूमि पर बापू टावर भवन के लिए कुल 84.49 करोड़ रुपये की प्रशासनिक स्वीकृति वर्ष 2018 में दी गयी थी।

माननीय मुख्यमंत्री द्वारा बापू की 150वीं जयंती के अवसर पर 2 अक्टूबर, 2018 को बापू टावर भवन का शिलान्यास किया गया। माननीय उच्च न्यायालय में वाद विचाराधीन रहने के कारण इसका कार्य दिनांक 20.05.2020 से प्रारंभ किया जा सका। कोरोना काल के कारण भी वर्ष 2020 एवं 2021 में कार्य बाधित हुआ, जिसके उपरांत भवन निर्माण विभाग द्वारा निरंतर अनुश्रवण करते हुए बापू टावर भवन का निर्माण कार्य अक्टूबर, 2023 में पूरा कर लिया गया। भवन के अंदर महात्मा गांधी के जीवन से जुड़ी घटनाओं एवं विचारधारा को दर्शाने हेतु कुल 44.89 करोड़ रुपये की लागत से प्रदर्श अधिष्ठापन हेतु स्वीकृति जनवरी, 2022 में दी गयी। इस प्रकार बापू टावर का निर्माण कार्य पूर्णरूप से सितम्बर 2024 में पूरा हुआ तथा 2 अक्टूबर, 2024 को माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने गर्दनीबाग, पटना में बापू टावर का लोकार्पण किया।



9 जनवरी, प्रवासी दिवस पर “गांधी” फिल्म का प्रदर्शन



प्रत्येक वर्ष 9 जनवरी को महात्मा गांधी के दक्षिण अफ्रीका से भारत वापस लौटने के उपलक्ष्य में भारतीय प्रवासी दिवस मनाया जाता है। इस अवसर पर 9 जनवरी, 2025 को बापू टावर के सभागार में महात्मा गांधी के जीवन पर आधारित ख्याति प्राप्त फिल्म "गांधी" का प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन कुमार रवि, सचिव, भवन निर्माण विभाग के द्वारा किया गया। इस अवसर पर बापू टावर के निदेशक विनय कुमार व अन्य सभी पदाधिकारी, कर्मी उपस्थित थे।

कार्यक्रम में भागीदारी करते हुए कमला नेहरू विद्यालय से आये 40 छात्राओं ने इसे अपने जीवन के लिए एक यादगार दिन बताया। कार्यक्रम के उद्घाटन के अवसर पर कुमार रवि ने गांधी जी के दक्षिण अफ्रीका के जीवन एवं संघर्षों की कहानी बच्चों को बताई। उन्होंने गांधीजी के जीवन से प्रेरणा

लेकर जीवन को सही दिशा में आगे ले जाने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर स्कूली छात्राओं के साथ स्कूल के शिक्षक एवं शिक्षिकाओं ने भी प्रदर्शित फिल्म 'गांधी' को देखकर आनंदित महसूस किया।



प्रवासी दिवस के अवसर पर श्री कुमार रवि, भा.प्र.से.



बापू संवाद-1 गांधी की प्रासंगिकता आज भी है और कल भी रहेगी

—कुमार प्रशांत

गांधी शांति प्रतिष्ठान, नई दिल्ली के अध्यक्ष व प्रसिद्ध गांधीविद् कुमार प्रशांत ने पटना के गर्दनीबाग स्थित बापू टावर के सभागार में ‘‘बापू आज’’ विषय पर एकल व्याख्यान दिया। उन्होंने यह व्याख्यान बापू संवाद श्रृंखला-1 के अन्तर्गत 8 अप्रैल, 2025 को दिया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के जीवन दर्शन और विचार पहले भी प्रासंगिक थे, आज भी हैं और कल भी रहेंगे बल्कि बदलते वैश्विक परिदृश्य में उनकी प्रासंगिकता और भी बढ़ेगी। जिस प्रकार वैश्विक परिदृश्य बदलता जा रहा है और सभी देशों के बीच वर्चस्व की लड़ाई है, वैसी स्थिति में शांति स्थापित करने के लिए ‘‘गांधी और उनके विचार’’ और भी ज्यादा प्रासंगिक होने वाले हैं।

नई पीढ़ी को सम्बोधित करते हुए कुमार प्रशांत ने कहा कि नई पीढ़ी अपने जीवन में जिस प्रकार संसाधनों का उपयोग

कर रही है, वैसे में प्रकृति में उपलब्ध सीमित संसाधन का सदुपयोग किया जाना आज की सबसे बड़ी चुनौती है। इसलिए सीमित संसाधनों का उपयोग कर भविष्य की पीढ़ियों के लिए संसाधन को सुरक्षित रखना गांधी के विचारों की प्रासंगिकता को और भी मजबूत करता है। अपनी जरूरत को कम करना आज के समय की सबसे बड़ी चुनौती है। उन्होंने गांधी को भविष्य का आईना बताया जो कम-से-कम संसाधन में हमें अच्छे से जीना सिखाती है।

कुमार प्रशांत ने दो बड़े नेताओं को सबसे बड़ा देशभक्त बताया जिनमें एक थे सुभाष चन्द्र बोस और दूसरे थे जयप्रकाश नारायण।

कार्यक्रम की शुरुआत में कुमार प्रशांत का स्वागत कुमार रवि, सचिव, भवन निर्माण विभाग एवं विनय कुमार, निदेशक,



श्री कुमार प्रशांत को सम्मानित करते बापू टावर के अध्यक्ष कार्यकारिणी समिति एवं सचिव श्री कुमार रवि भा.प्र.से.

बापू टावर के द्वारा पुष्पगुच्छ देकर किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे महात्मा गांधी केन्द्रीय विश्वविद्यालय, मोतिहारी के डीन श्री सुनील महावर ने कहा कि गांधीजी का मोतिहारी आना पूरे भारतवर्ष के लिए शुभ संकेत साबित हुआ जिसका अंतिम परिणाम भारत की स्वतंत्रता के रूप में परिणत हुआ।

इस कार्यक्रम में बापू टावर के सभी पदाधिकारी एवं कर्मियों के साथ ही बड़ी संख्या में शहर के बुद्धिजीवी उपस्थित थे।

18 अप्रैल 1917, मोतिहारी कोर्ट में महात्मा गाँधी का बयान

गाँधी म्यूरल का लोकार्पण सह पॉटरी वर्कशॉप का आयोजन



बापू टावर में संस्थापित पद्मश्री ब्रह्मदेव राम पंडित द्वारा सृजित 'चम्पारण कोर्ट में गाँधी' म्यूरल

चम्पारण में नील की तीनकठिया खेती पद्धति जो शोषणपरक थी, जिसके विरुद्ध महात्मा गांधी के सत्याग्रह आन्दोलन ने भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन और स्वयं महात्मा गांधी के जीवन में, युगांतकारी भूमिका अदा की थी। महात्मा गांधी को सम्मन जारी कर कोर्ट में बुलाया गया। अंग्रेजी हुकूमत की कार्रवाई के विरुद्ध उनका दिया गया यह असाधारण बयान आज भी चकित करता है। गाँधीवादी सेरामिक कलाकार पद्मश्री ब्रह्मदेव राम पंडित ने उक्त अवसर को सेरामिक के एक वृहत म्यूरल में रूपान्तरित कर दिया। जिसे 18 अप्रैल, 2025 को बापू टावर परिसर

में संस्थापित किया गया। म्यूरल का लोकार्पण भवन निर्माण विभाग के सचिव श्री कुमार रवि के द्वारा किया गया। म्यूरल का संस्थापन सेवा सेरामिक कलाकार अभय पंडित और मुकेश कुमार की देख-रेख में हुआ। म्यूरल के केन्द्र में युवा गांधी हैं, जो ओजस्वी बयान दे रहे हैं। अंग्रेज जज, उपस्थित वकील और भारतीय, सभी कौतूहल की मुद्रा में महात्मा गांधी को बयान देते हुए देख रहे हैं। बिहार के पद्मश्री ब्रह्मदेव राम पंडित मुंबई में रह रहे देश के चर्चित कलाकार हैं।

इस अवसर पर पद्मश्री ब्रह्मदेव राम पंडित के प्रतिनिधि, सुपुत्र एवं लंदन कॉलेज से कला के क्षेत्र



बापू टावर में निर्मित कलाकृतियों का निरीक्षण करते श्री कुमार रवि भा.प्र.से.

पंडित की सहायता से मिट्टी की विभिन्न कलाकृतियों को तैयार कर बापू टावर को सौंपा गया। इस अवसर पर विभिन्न स्कूलों से आये छात्र-छात्राओं के द्वारा भी बापू टावर, गणेश जी, गोलघर, गुल्लक इत्यादि का म्यूरल्स बनाया गया जिसे धरोहर के रूप में बापू टावर संग्रहालय में सुरक्षित रखा गया है।

में डिग्री प्राप्त कलाकार श्री अभय पंडित के द्वारा बापू टावर में आमंत्रित स्कूली बच्चों को अपने स्तर से ट्रेनिंग देकर उन्हें मिट्टी से विभिन्न कलाकृति बनाने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

इस अवसर पर आई.सी.सी.आर, पटना के भारतीय विदेश सेवा के पदाधिकारी व क्षेत्रीय निदेशक, स्वधा रिजवी के द्वारा भी श्री अभय



बापू टावर में मिट्टी से निर्माण होती कलाकृतियां

बापू टावर में कला प्रदर्शनी कला के कैनवस पर गांधी

दुनिया भर के कलाकारों के लिए गाँधी उनके कला माध्यमों की अभिव्यक्ति के पसंदीदा विषय रहे हैं। राष्ट्र निर्माताओं में वे पहली ऐसी शख्शियत हैं, जिनपर सबसे अधिक पोर्ट्रेट और मूर्तिशिल्प बने हैं। बापू टावर की कला

प्रदर्शनी का उद्घाटन बापू टावर के निदेशक विनय कुमार ने किया। उन्होंने विभिन्न राज्यों से आये कलाकारों की गांधी विषयक कलाकृतियों की सराहना की और उसे गांधी विचार यात्रा की अभिन्न कड़ी बताया। श्री कुमार ने माना कि इन कृतियों से गांधी की जो बहु विविध छवि उभरी है, वह एक व्यापक गांधीवादी सोच को सामने लाने वाली है। प्रदर्शनी में भाग लेने वाले चित्रकारों में हैदराबाद के



बापू टावर में कला प्रदर्शनी का उद्घाटन करती आई.सी.सी.आर. की क्षेत्रीय निदेशक, श्रीमती स्वधा रिजवी, भा.वि.से.

दीर्घा में गत दिनों महात्मा गांधी पर देश भर के कलाकारों की बनाई कलाकृतियों की प्रदर्शनी आयोजित की गयी। प्रदर्शनी का संयोजन बिहार के युवा कलाकार मनीष कुमार के द्वारा किया गया। प्रदर्शनी में महात्मा गांधी के चम्पारण सत्याग्रह, अफ्रीका प्रवास, साबरमती आश्रम, किसानों के गांधी, दांडी यात्रा में गांधी, जन-जन के गांधी, सेंट पीटरमेरिट्सवर्ग स्टेशन की रात, मिथिला चित्रकला में गांधी, गांधी के प्रतीक : चश्मा और लाठी, गाँधीजी के तीन बन्दर आदि विषयों पर देश के विभिन्न राज्यों के कलाकारों ने हिस्सेदारी की।

मूर्धन्य कलाकार लक्ष्मण एके, गुवाहाटी से डा. राजकुमार माजिन्दर, सीमान्ता ज्योति बरुआ, लखनऊ से सोनल वाष्णीय ओझा, गोवा से हर्षदा केरकर, मुंबई से पद्मश्री ब्रह्मदेव राम पंडित, दिल्ली से संजय दास, उमाशंकर पाठक, गजनफर जैदी, भोपाल से प्रीति मान, उड़ीसा से प्रदोष स्वैन, बिहार से पद्मश्री श्याम शर्मा, उमेश शर्मा, अमित कुमार, मनीष कुमार, मुकेश कुमार, अलका दास, अंजलि प्रकाश, अजय पांडेय, रंजीत, चंदन सिकंदर, धनंजय कुमार, रंजन कुमार, सुनील चौधरी और विनय कुमार प्रमुख थे।



पद्मश्री श्याम शर्मा की कला पर फिल्मों और संवाद

दिनांक 17 मई (शनिवार), 2025 को बापू टावर के सभागार में बिहार के मूर्धन्य कलाकार पद्मश्री श्याम शर्मा की कला पर बनी शॉर्ट फिल्मों का प्रदर्शन एवं बातचीत का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए भवन निर्माण विभाग के सचिव, कुमार रवि ने पद्मश्री श्याम शर्मा की कला को मनुष्य की जिजीविषा का प्रतीक बताते हुए उनकी छापा कला की विशेष प्रशंसा की। फिल्म निर्देशक श्री अरविंद रंजन दास ने इस अवसर पर श्री श्याम शर्मा को बिहार की कला जगत का प्रतिनिधि चेहरा बताया और उनकी छापा कला की खास प्रशंसा की।

प्रख्यात फिल्म समीक्षक विनोद अनुपम ने श्याम शर्मा की कला की प्रशंसा करते हुए कहा कि उनकी कला में चेतना का उच्च स्तर ध्वनित होता है। प्रिंट कला में उनकी उपलब्धियाँ असाधारण हैं। इस अवसर पर बापू टावर के निदेशक, श्री विनय

कुमार ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए इस तरह के और भी आयोजनों की जरूरत पर बल दिया।

पद्मश्री श्याम शर्मा ने इस अवसर पर सभी लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया। इस कार्यक्रम में श्याम शर्मा के जीवन पर बनी तीन फिल्मों— मेहदी शॉ की फिल्म 'व्हाइट एंड व्हाइट', शैलेन्द्र कुमार और अफजल अदीब खान की फिल्म 'द प्रिंटमेकर', एवं शांतनु मित्रा की फिल्म 'इन साईट' ने दर्शकों को श्याम शर्मा के व्यक्तित्व एवं कृतित्व से परिचित कराया।



पद्मश्री श्याम शर्मा को सम्मानित करते बापू टावर के निदेशक विनय कुमार, भा.प्र.से.

बापू टावर में विश्व पर्यावरण दिवस पर वृक्षारोपण



बापू टावर में वृक्षारोपण

गर्दनीबाग की गोद में लगभग 7 एकड़ में रचा-बसा बापू टावर पर्यावरण प्रहरी-सा प्रतीत होता है। इसके प्रांगण में करीने से सजे पौधे, आम, अमरुद एवं अन्य वृक्षों की हरी-भरी डालियाँ खुशबू बिखेरते विभिन्न प्रकार के पुष्प एक सुरम्य सुंदर मनोहारी छटा का अहसास कराते हैं।

5 जून, 2025 को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर बापू टावर के निदेशक, श्री विनय कुमार, उप निदेशक, श्री ललित कुमार

सिंह, अवर सचिव, श्री अरुण कुमार पाठक, श्री अजय कुमार सिंह एवं अन्य सहकर्मियों द्वारा आम, लीची, अमरुद, जैसे फलदार वृक्षों के साथ-साथ पर्यावरण को स्वच्छता प्रदान करने वाले पीपल एवं नीम के पौधे रोपे गए।

उक्त कार्यक्रम के उपलक्ष्य में उपस्थित सभी पदाधिकारियों एवं कर्मियों द्वारा यह शपथ लिया गया कि वे सदैव पर्यावरण प्रहरी के रूप में कार्य करेंगे तथा प्रत्येक वर्ष पर्यावरण दिवस को एक खास दिन के रूप में मनाने का प्रयास करेंगे।



बापू टावर में वृक्षारोपण के क्षण

बापू टावर में तुषार गांधी



तुषार गाँधी को सम्मानित करते बापू टावर के निदेशक एवं उपनिदेशक

दिनांक-06 जून 2025 (शुक्रवार) को महात्मा गांधी के परपोते श्री तुषार गांधी गर्दनीबाग स्थित बापू टावर आये।

उन्होंने बापू टावर संग्रहालय के आयताकार भवन में स्थित तीन गैलरियों एवं शंक्वाकार भवन के सभी पांच मंजिले रैम्प दीर्घाओं का सूक्ष्मावलोकन किया। उन्होंने संग्रहालय की विभिन्न दीर्घाओं में प्रदर्शित ऐतिहासिक चित्रों मैनविन, म्यूरल्स, ऑडियो-विजुअल एवं लघु फिल्मों के जरिये गांधी जी के जीवन से जुड़ी घटनाओं को प्रदर्शित करने के आधुनिक एवं तकनीकी तरीकों की भूरी-भूरी प्रशंसा की।

आयताकार भवन की तीसरी मंजिल पर स्थित दीर्घा जिसमें गांधीजी के आदर्शों एवं सिद्धांतों पर आधारित सरकार द्वारा कार्यान्वित योजनाओं को बखूबी प्रदर्शित किया गया है, तुषार गांधी ने इसके लिए बिहार सरकार को साधुवाद दिया।

बापू टावर संग्रहालय के परिभ्रमण के दौरान संग्रहालय के निदेशक श्री विनय कुमार, उप निदेशक श्री ललित कुमार सिंह एवं विशेष कार्य पदाधिकारी श्रीमती नीलिमा साहू द्वारा तुषार गांधी को संग्रहालय के भवन निर्माण, प्रदर्शनों के संस्थापन एवं कलाकृतियों की बारीकियों से अवगत कराया गया।

संग्रहालय परिभ्रमण के पश्चात् श्री तुषार गांधी ने कहा कि बापू टावर, भारत में गांधी जी का एक अनूठा एवं अनुपम संग्रहालय है। बिहार आने वाले प्रत्येक व्यक्ति को कम-से-कम एक बार बापू टावर का भ्रमण अवश्य करना चाहिए।

बापू के जीवन एवं सिद्धांतों पर आधारित यह एक ऐसा संग्रहालय है, जिसके परिभ्रमण एवं अवलोकन से बापू के हमारे बीच हमेशा बने रहने का एहसास होता है।



बापू संवाद-2

गाँधी अपने आप में मिसाल हैं

—डॉ. रजी अहमद

बापू संवाद-2 के तहत दिनांक 22 जुलाई, 2025 को बापू टावर के सभागार में विख्यात गांधीवादी एवं गांधी संग्रहालय पटना के सचिव डॉ. रजी अहमद का व्याख्यान आयोजित किया गया। डा. रजी अहमद ने नवनिर्मित बापू टावर की भव्य संरचना की तारीफ करते हुए कहा कि महात्मा गांधी से जुड़ी बहुत सारी चीजें यहां अच्छे से दर्शायी गई हैं। गांधीजी की बिहार यात्रा एवं राज्य से उनके जुड़ाव के बारे में प्रकाश डालते हुए उन्होंने बताया कि गांधीजी ने 1922 में पत्र लिखकर पहली बार बताया कि बिहार से जुड़ाव की वजह से पूरे भारत में उनकी पहचान बनी। रजी अहमद ने कहा कि बिहार की धरती पूरी दुनिया में लोकतंत्र के लिए जानी जाती है। अपने व्याख्यान की शुरुआत में ही उन्होंने कहा कि गांधी जी आज भी भारत ही नहीं संपूर्ण विश्व के लिए इंसानियत और अहिंसा पर विश्वास रखने वालों के लिए अपने आप में मिसाल हैं। वह पहले भारतीय लीजेंड हैं जिन पर दुनिया के दूसरे देशों ने भी सर्वाधिक डाक टिकट जारी किये। लगभग नौ दशक की आयु होने के बावजूद अपनी जिंदगी की हर सांस में गांधी की खुशबू लेकर जीने वाले समर्पित गांधीवादी डॉ. रजी अहमद जब बापू टावर के विशेष आमंत्रण पर व्याख्यान के लिए तशरीफ लाये तो जैसे रौशनी और तेज हो गई। शारीरिक रूप से कमजोर होने के बावजूद उन्होंने हमेशा की तरह प्रभावी और बेहतरीन भाषण दिया। उन्होंने बताया कि महात्मा गांधी की धरोहर को संरक्षित करने का

अविस्मरणीय योगदान माननीय मुख्यमंत्री नीतीश जी द्वारा किया गया है, इस योगदान को हम महसूस किये बिना नहीं रह सकते। उन्होंने महात्मा गांधी द्वारा आजादी के आन्दोलन में किये गये योगदान और बिहार से उनके रिश्ते को बखूबी श्रोताओं के समक्ष रखा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भवन निर्माण विभाग के सचिव, कुमार रवि थे। जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ रंगकर्मी श्री विनोद कुमार द्वारा की गई। अतिथियों का स्वागत बापू टावर के निदेशक, विनय कुमार ने किया। कार्यक्रम के अंत में बापू टावर के उप निदेशक, ललित कुमार सिंह ने धन्यवाद ज्ञापन किया। इस अवसर पर बापू टावर के विशेष कार्य पदाधिकारी, नीलिमा साहू समेत बड़ी संख्या में शहर के प्रबुद्ध नागरिक और बापू टावर के पदाधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।



बापू टावर में प्रख्यात गाँधीवादी डॉ. रजी अहमद का व्याख्यान एवं अध्यक्षता करते वरिष्ठ रंगकर्मी श्री विनोद कुमार

बापू संवाद-3

‘रंगभूमि’ प्रेमचंद की सबसे सच्ची और प्रभावी कृति है

-प्रो० तरुण कुमार

बापू टावर पटना के सभागार में दिनांक 31 जुलाई, 2025 को गांधी संवाद-3 का आयोजन किया गया। प्रेमचंद जयंती के अवसर पर आयोजित इस संवाद शृंखला को पटना विश्वविद्यालय के पूर्व हिन्दी विभागाध्यक्ष प्रो. तरुण कुमार ने संबोधित किया। ‘गांधी और प्रेमचंद’ विषयक इस संगोष्ठी में प्रो. तरुण कुमार ने बहुत अर्थपूर्ण तरीके से विस्तारपूर्वक गांधीजी और प्रेमचंद के जीवन की कई रोचक जानकारियां साझा की। गांधी जी के असहयोग आंदोलन और उनके पटना आगमन की कई नई जानकारियाँ प्रो. तरुण कुमार ने श्रोताओं के समक्ष रखा। उन्होंने गांधी और प्रेमचंद के आपसी रिश्तों की बात कही। उन्होंने ‘रंगभूमि’ उपन्यास की विस्तार से चर्चा की और उसे प्रेमचंद के विचारों की सबसे सच्ची और प्रभावी कृति बताया। उन्होंने प्रेमचंद के इस उपन्यास के नायक



सूरदास का उल्लेख करते हुए गांधीजी की हत्या से संबंधित तथ्यों का जिक्र किया। प्रेमचंद के पटना आगमन से संबंधित तथ्यों को उन्होंने बड़े ही दिलचस्प अंदाज में रखा। यह जानना बेहद दिलचस्प और महत्वपूर्ण था कि प्रेमचंद 1931 में पटना आये थे, वह भी पटना कॉलेज के सामान्य विद्यार्थियों के बुलावे पर। युवा केसरी किशोर शरण ने प्रेमचंद को चिट्ठी लिखी थी और वे लखनऊ से पंजाब मेल पकड़ कर युवाओं से वार्तालाप करने रात में पटना पहुंच गए। विडंबना यह कि केशव अपने एक दोस्त के साथ, गाड़ी से उतरे तमाम यात्रियों को पहचानने की कोशिश करते रहे, लेकिन वास्तविक प्रेमचंद को पहचान नहीं

पाये। यह सोचकर कि प्रेमचंद किसी कारण से पंजाब मेल से आ नहीं पाये, वे दोनों दोस्त निराश होकर वापस लौट गए। अगली सुबह केशव फिर से रेलवे स्टेशन गए और अनुमान से एक व्यक्ति के पास जाकर पूछा कि आप लखनऊ से आये हैं? जवाब हाँ में मिलने पर उन्होंने सीधे पूछ लिया: क्या आप प्रेमचंद हैं?

और उनका अनुमान सही निकला।

प्रेमचंद ने उन्हें बताया कि रात में स्टेशन पर उन्हें कोई नहीं मिला तो वे बहुत हैरान और निराश हुए और अगली गाड़ी से वापस लखनऊ लौट जाना चाहते थे। फिर उनके मन ने सुबह तक इंतजार करने को समझाया,

तभी केशव उन्हें ढूँढ पाये और पटना को इस महान लेखक का आतिथ्य करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ।

प्रो. तरुण कुमार ने केसरी किशोर शरण के खुद के लिखे संस्मरण श्रोताओं के सामने सुनाये। एक श्रोता के

वक्तव्य बापू टावर के निदेशक, विनय कुमार द्वारा दिया गया। धन्यवाद ज्ञापन संस्थान की ओएसडी, नीलिमा साहू ने किया। कार्यक्रम का संचालन बापू टावर के सहायक प्रशाखा पदाधिकारी, प्रत्यूष चंद्र मिश्रा द्वारा किया गया। इस अवसर पर लेखक-अनुवादक यादवेंद्र, लेखक अरुण सिंह, संस्कृतिकर्मी - अनीश अंकुर, पटना कला महाविद्यालय के पूर्व प्राचार्य अजय कुमार पांडेय, वरिष्ठ रंगकर्मी विनोद कुमार, कवि नरेंद्र कुमार, शायर अविनाश अमन, जयप्रकाश और अभय कुमार शर्मा के साथ ही बड़ी संख्या में छात्र - छात्राओं की उपस्थिति रही। कार्यक्रम में शहर के कई गण्यमान्य लोगों, संस्कृतिकर्मियों, एवं साहित्यकारों की भी उपस्थिति रही।



बापू टावर में श्रोताओं के प्रश्न का जवाब देते प्रो. तरुण कुमार

सवालियों का उत्तर देते हुए उन्होंने कहा कि बिहार अभिलेखागार से उन्होंने उन तारीखों के अखबार उपलब्ध किये थे। इस कार्यक्रम में प्रेमचंद की नतिनी मुक्ता सिन्हा जी को देखना सबके लिए प्रीतिकर था। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ रंगकर्मी श्री जावेद अख्तर खान के द्वारा की गई जबकि स्वागत



बापू संवाद-3 में अपना वक्तव्य देते हुए प्रो. तरुण कुमार अध्यक्षता करते डॉ. जावेद अख्तर खां (बायीं ओर) और दाहिनी ओर बापू टावर के निदेशक



अभिनेता विनोद कुमार का सम्मान

बापू टावर की ओर से शुरू की गई 'सुनो कहानी' की पहली कड़ी 6 अगस्त, 2025 को सम्पन्न हुई। प्रसिद्ध रंग-निर्देशक व अभिनेता विनोद कुमार ने 'बापू की कहानी' शीर्षक से महात्मा गांधी के जीवन प्रसंगों का कथावाचन किया। कहानी में बापू के बचपन से स्वतंत्रता संग्राम तक की प्रेरक घटनाओं को साझा किया गया। महात्मा गांधी के बचपन और किशोरावस्था से जुड़े जीवन के विविध प्रसंगों को सुनकर बच्चे भावविभोर दिखे। अपने पिता से झूठ बोलने और बीड़ी पीने के

स्टोरी टेलिंग सत्र रंगकर्मी की आवाज में बापू

रोचक विवरणों को सुनकर बच्चे आश्चर्यचकित थे। आजादी के आन्दोलन में उनके योगदान की कहानी और विनोद जी के प्रभावी पाठ ने इस कार्यक्रम को अत्यंत रोचक बना दिया। कार्यक्रम में राजकीय आदर्श बालक मध्य विद्यालय यारपुर के 100 से अधिक छात्र-छात्राएं शामिल हुए। विनोद कुमार ने 'दे दी हमें आजादी...' जैसे प्रसिद्ध गीतों की प्रासंगिकता भी बताई। बच्चों ने भी गांधीजी से जुड़े प्रसंगों की प्रस्तुति दी। इस अवसर पर बापू टावर के निदेशक, विनय कुमार, उप निदेशक, ललित कुमार सिंह, विशेष कार्य पदाधिकारी, नीलिमा साहू, अवर सचिव अरुण कुमार पाठक, अजय कुमार सिंह तथा सहायक प्रशाखा पदाधिकारी, प्रत्यूष चन्द्र मिश्रा और विद्यालय की प्रधानाध्यापक, शालिनी सिन्हा समेत अन्य शिक्षकगण व अधिकारी उपस्थित रहे।



सुनो कहानी में विद्यालय छात्रा की प्रस्तुति

रंगों में जीवित अगस्त क्रांति

बापू टावर के निर्माण का उद्देश्य न केवल नई पीढ़ी के बच्चों को गांधीजी के जीवन और कार्यों से परिचित कराना है बल्कि इस संग्रहालय को एक सांस्कृतिक केंद्र के रूप में भी विकसित किया जाना है। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखकर बापू टावर द्वारा समय-समय पर कई तरह के कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है। इसकी नवीनतम कड़ी में बापू टावर संग्रहालय द्वारा 11 अगस्त, 1942 के सचिवालय गोलीकांड के शहीदों की स्मृति में पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। स्कूली विद्यार्थियों के बीच दिनांक 11 अगस्त, 2025 को यह प्रतियोगिता 'महात्मा गांधी और बिहार' विषय पर आयोजित की गई।

इस आयोजन में किलकारी, डीपीएस पटना, राजकीय आदर्श बालक मध्य विद्यालय, गर्दनीबाग, कमला नेहरू बालिका उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय गर्दनीबाग, शहीद राजेंद्र सिंह उच्च विद्यालय, गर्दनीबाग और केदारनाथ बालिका उच्च विद्यालय गर्दनीबाग के विद्यार्थियों ने भाग लिया। इन विद्यार्थियों ने महात्मा गांधी और बिहार के सम्बन्धों को दर्शाते हुए अपनी कूची से कैनवास पर अभिव्यक्ति के विविध रंग उकेरे। कई बच्चों ने महात्मा गांधी की पेंटिंग बनाई तो कई ने बापू टावर को ही अपनी कूची से जीवंत कर दिया। छात्र-छात्राओं का उत्साह देखने लायक था। इस अवसर पर पटना कला महाविद्यालय की प्राचार्या श्रीमती राखी कुमारी और प्रसिद्ध कलाकार उमेश शर्मा द्वारा निर्णायक के रूप में इस प्रतियोगिता के विजेताओं का चयन किया गया। प्रथम पुरस्कार किलकारी के छात्र अभिनयन सिंह और द्वितीय पुरस्कार संयुक्त रूप से किलकारी के आदित्य रंजन और राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय,

गर्दनीबाग की वैष्णवी कुमारी को दिया गया। तृतीय पुरस्कार संयुक्त रूप से किलकारी के आदित्य राज, डीपीएस पटना की मोक्षा चौधरी और अरुणी शर्मा को प्रदान किया गया। इस प्रतियोगिता में कुल एक सौ अड़तालीस बच्चों ने भाग लिया। पुरस्कार वितरण समारोह को संबोधित करते हुए बापू टावर के निदेशक, विनय कुमार ने इस तरह की प्रतियोगिता की आवश्यकता पर बल देते हुए छात्रों के सुखद और रचनात्मक भविष्य की कामना की। उन्होंने छात्रों को अपने जीवन में गांधीजी के विचारों और आदर्शों को अपनाने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने इस बात को भी रेखांकित किया कि समय-समय पर बापू टावर इस तरह के कार्यक्रम आयोजित करता रहेगा, जिससे छात्रों के मानसिक विकास में भरपूर सहायता मिल सके। इस अवसर पर बापू टावर के उपनिदेशक श्री ललित कुमार सिंह, अवर सचिव अरुण कुमार पाठक, अजय कुमार सिंह, सहायक प्रशाखा पदाधिकारी प्रत्यूष चन्द्र मिश्रा और ज्योति कुमारी भी उपस्थित रहे।



चित्रों से नमन, अगस्त क्रांति के वीरों को



चम्पारण सत्याग्रह शताब्दी वर्ष के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार द्वारा बापू टावर के निर्माण की घोषणा



महात्मा गाँधी के सात सामाजिक पापकर्मों से बचाव संबंधी दीर्घा का अवलोकन करते माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार एवं भवन निर्माण विभाग के सचिव श्री कुमार रवि, भा.प्र.से.



बापू टावर के निर्माण कार्यों का निरीक्षण करते माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार एवं भवन निर्माण के सचिव श्री कुमार रवि

बापू टावर: श्री नीतीश कुमार, माननीय मुख्यमंत्री, बिहार की परिकल्पना का मूर्त अभिकल्पन



बापू टावर के इलेक्ट्रॉनिक प्रदर्श का निरीक्षण करते माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार एवं भवन निर्माण विभाग के सचिव श्री कुमार रवि, भा.प्र.से.



बापू टावर के उद्घाटन के अवसर पर माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार एवं माननीय उपमुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी के साथ अन्य विशिष्ट अतिथिगण



चम्पारण सत्याग्रह शताब्दी वर्ष के एक कार्यक्रम में माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार



बापू टावर के रैम्प का अवलोकन करते माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार एवं भवन निर्माण विभाग के सचिव श्री कुमार रवि, भा.प्र.से.



बापू टावर के रैम्प पर लगे प्रदर्श का अवलोकन करते माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार



बापू टावर में कार्यक्रम के दौरान माननीय उपमुख्यमंत्री श्री स्मराट चौधरी



बापू टावर में भवन निर्माण विभाग के तत्कालीन प्रधान सचिव श्री चंचल कुमार, भा.प्र.से. (मध्य)

बापू टावर में प्रसिद्ध हस्तियों का आगमन



विख्यात फ़िल्मी गीतकार
पटकथा लेखक, कवि एवं शायर, जावेद अख्तर



श्री अरविन्द पनगढ़िया, अध्यक्ष, 16वें वित्त आयोग, भारत सरकार



श्री मनसुख मांडविया
श्रम एवं रोजगार तथा खेल एवं युवा मंत्री, भारत सरकार



श्री प्रत्यय अमृत, तत्कालीन विकास आयुक्त सह अध्यक्ष,
शासी निकाय बापू टावर एवं वर्तमान मुख्य सचिव, बिहार सरकार



श्री अजय ब्रह्मात्मज, विख्यात फिल्म पत्रकार और समीक्षक



श्री रविशंकर प्रसाद, पूर्व केन्द्रीय मंत्री, भारत सरकार



प्रसिद्ध फिल्म अभिनेता, विनीत कुमार



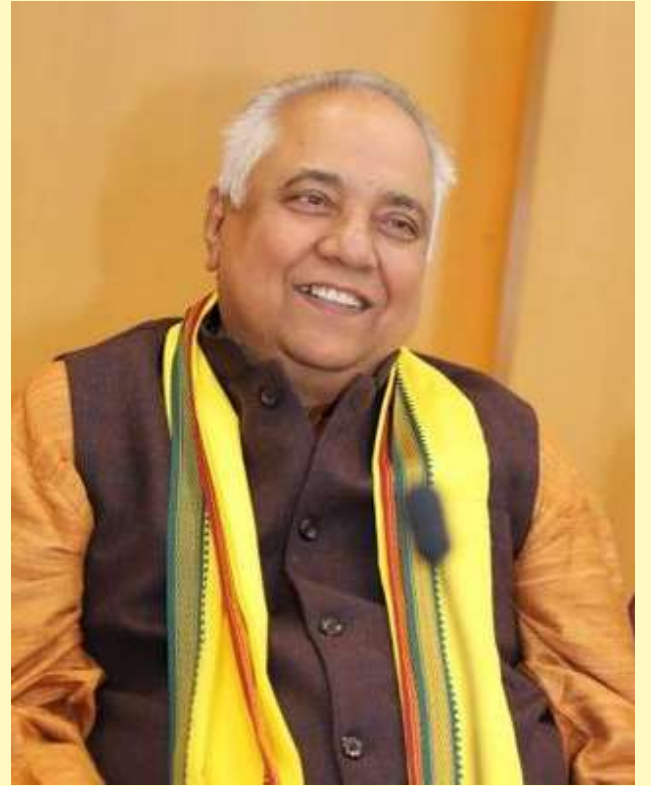
मो० शाहनवाज हुसैन, पूर्व केन्द्रीय मंत्री, भारत सरकार



मुख्य सचिव श्री प्रत्यय अमृत अपनी धर्मपत्नी के साथ बापू टावर के कैम्पस में



श्री आलोक धन्वा, प्रसिद्ध कवि



श्री बुद्धिनाथ मिश्र, विख्यात गीतकार, कवि



श्री श्रीराम तारिणीकान्ति, निदेशक, लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासनिक अकादमी, मसूरी को सम्मानित करते श्री कुमार रवि, भा.प्र.से.



श्री शशि थरूर, प्रसिद्ध लेखक और राजनेता को सम्मानित करते निदेशक श्री विनय कुमार



श्री रामजी सिंह, प्रसिद्ध गाँधीवादी के साथ निदेशक श्री विनय कुमार



श्री प्रभात कुमार
दक्षिण अफ्रीका में भारत के उच्चायुक्त



श्री तिग्मान्शु धुलिया, प्रसिद्ध फिल्म निर्देशक और अभिनेता



श्री तुषार गौंधी, प्रसिद्ध लेखक एवं महात्मा गाँधी के प्रपौत्र



प्रशिक्षु आई.ए.एस. के साथ भवन निर्माण विभाग के सचिव श्री कुमार रवि, भा.प्र.से.



आई.सी.सी.आर. के सहयोग से अंतर्राष्ट्रीय नालन्दा विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं द्वारा बापू टावर संग्रहालय भ्रमण



प्रसिद्ध फिल्म अभिनेता
श्री राजीव वर्मा

बापू टावर में मनायी गयी पं. राजकुमार शुक्ल की 150वीं जयन्ती



पं. राजकुमार शुक्ल जयंती समारोह के उद्घाटन के पल. मुख्य वक्ता श्री अरविन्द मोहन के साथ

महात्मा गांधी के चंपारण आंदोलन के सूत्रधार पं. राजकुमार शुक्ल की 150वीं जयंती समारोह शृंखला के अवसर पर बापू टावर, पटना एवं पं. राजकुमार शुक्ल स्मारक न्यास के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित विचार संगोष्ठी के मुख्य वक्ता एवं प्रख्यात विश्लेषक अरविंद मोहन ने कहा कि गांधीजी को चंपारण बुलानेवाले राजकुमार शुक्लजी ने यह भांप लिया था कि हिंसा की बदौलत किसानों की समस्या दूर नहीं की जा सकती है। उन्हें यह भी अंदाजा हो चुका था कि गांधीजी ने जिस प्रकार अहिंसा का प्रयोग कर दक्षिण अफ्रीका की समस्या का खात्मा किया है, कुछ वैसा ही यदि वे चंपारण में करते हैं तो समाधान हो सकता है। इस अवसर पर बापू टावर के निदेशक विनय कुमार ने कहा कि गांधीजी के सहयोगियों पर भी शोध करने की आवश्यकता है और बापू टावर इसमें यथासंभव मदद करेगी। प्रसिद्ध गांधीवादी लेखक भैरव लाल दास ने कहा कि चंपारण के कलक्टर जॉन बीम्स ने स्पष्ट कर दिया था कि नीलहे अनैतिक आचरण, भ्रष्ट, शोषक और शराबखोर हैं, फिर भी ब्रिटिश अधिकारियों ने नीलहों को

संरक्षण दिया। उन्होंने कहा कि गांधीजी के चंपारण से जाने के बाद भी शुक्लजी शिक्षा, छुआछूत, असहयोग, किसानों की समस्या दूर करते हुए राजनीतिक रूप से सक्रिय बने रहे। गांधी संग्रहालय के संयुक्त सचिव आसिफ वसी ने कहा कि जब तक गांधीजी का नाम रहेगा, राजकुमार शुक्ल को लोग याद करते रहेंगे। आगत अतिथियों का स्वागत करते हुए बापू टावर के उप निदेशक ललित कुमार सिंह ने कहा कि बापू टावर में गांधीजी और राजकुमार शुक्ल की प्रतिमा लगाने का निर्णय सरकार द्वारा लिया गया है। संगोष्ठी का संचालन प्रत्यूष चन्द्र मिश्रा द्वारा किया गया जबकि धन्यवाद ज्ञापन राजकुमार शुक्ल के परनाती एवं न्यास के महासचिव सुमित कुमार वत्स ने किया। विशिष्ट अतिथि विश्वामोहन कुमार ने सोशल मीडिया के माध्यम से कार्यक्रम को संबोधित किया। इस अवसर पर बी. एन. कॉलेज की प्रो. नम्रता कुमारी ने थारू संस्कृति पर लिखी अपनी दो पुस्तकें बापू टावर पुस्तकालय में समर्पित किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में गांधीवादी, बुद्धिजीवी एवं समाजसेवी उपस्थित थे।

बापू टावर में यंग पोएट्री मीट का आयोजन

बापू टावर और जेवियर पोएट्री क्लब, संत जेवियर कॉलेज ऑफ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी, पटना द्वारा दिनांक 11 जनवरी 2025 को छात्र-छात्राओं के बीच यंग पोएट्री मीट का आयोजन किया गया। इस आयोजन में लगभग 50 छात्र-छात्राओं ने अपनी काव्य प्रतिभा से उपस्थित श्रोता समुदाय को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भवन निर्माण विभाग के सचिव श्री कुमार रवि थे। इस अवसर पर मीट को संबोधित करते हुए सचिव कुमार रवि ने कहा कि बापू टावर आने वाले समय में महात्मा गाँधी के सिद्धांतों एवं

आदर्शों के अनुरूप इस तरह का कार्यक्रम आयोजित करता रहेगा।



यंग पोएट्री मीट के दौरान अपनी कविता प्रस्तुत करती एक छात्रा

भारतेन्दु से गाँधी तक : हिन्दी नवजागरण

हिन्दी नवजागरण के महानायक भारतेन्दु हरिश्चन्द्र की 175वीं जयंती पर 09 सितम्बर, 2025 को बापू टावर संग्रहालय में 'स्वदेशी की परम्परा: भारतेन्दु और गांधी' विषय पर एक बातचीत का आयोजन किया गया। पटना इण्टा और बतरस के सहयोग से बापू टावर द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि वरिष्ठ रंगकर्मी श्रीकांत किशोर थे जबकि मुख्य वक्तव्य अनुग्रह मेमोरियल कॉलेज गयाजी के इतिहास विभागाध्यक्ष डॉ. पार्थसारथि द्वारा दिया गया। मुख्य अतिथि श्रीकान्त किशोर ने इस पूरे कार्यक्रम के बारे में अत्यंत विस्तार से स्वदेशी की परम्परा में भारतेन्दु और गांधी के योगदान को रेखांकित किया। डा. पार्थसारथि ने स्वदेशी की अवधारणा को ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और

सामाजिक दृष्टिकोण से विश्लेषित किया। उन्होंने वैदिक परम्परा और फिर स्वतंत्रता आन्दोलन के पूरे दौर को कई कोणों से देखे जाने की जरूरत पर बल दिया। भारतेन्दु के नाटकों 'अंधेर नगरी' और 'भारत दुर्दशा' की चर्चा करते हुए डा. पार्थ सारथी ने इतिहास के उस दौर के कई अनछुए पहलुओं के बारे में अत्यंत विस्तार से और सधे रूपकों

का इस्तेमाल करते हुए श्रोताओं के समक्ष रखा। कार्यक्रम में श्वेत प्रीत सिंह और गुंजन कुमार की टीम द्वारा भारतेन्दु और नागार्जुन की कविताओं की संगीतमय प्रस्तुति दी गई। कार्यक्रम की शुरुआत बापू टावर के निदेशक विनय कुमार के स्वागत भाषण से हुई। उन्होंने कार्यक्रम के औचित्य के बारे में विस्तार से बताते हुए आगत अतिथियों को अंगवस्त्र और पुष्प गुच्छ देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ रंगकर्मी श्री विनोद कुमार और धन्यवाद ज्ञापन बापू टावर के अवर सचिव, अरुण कुमार पाठक द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में शहर के संस्कृतिकर्मी, रंगकर्मी और बुद्धिजीवी मौजूद थे।



स्वदेशी की परंपरा : गाँधी और भारतेन्दु कार्यक्रम के दौरान

गांधी दर्शन आधारित इंटर्नशिप की शुरुआत

नव वर्ष के अवसर पर बापू टावर में महात्मा गांधी के जीवन-दर्शन पर केंद्रित वित्तीय सहायता प्राप्त इंटर्नशिप कार्यक्रम की शुरुआत की गई। साक्षात्कार प्रक्रिया के बाद चयनित इंटर्न गुंजा कुमारी, नितेश आनंद, विशाल कुमार दुबे, जस्सी कुमार एवं मो. नौशाद आलम को भवन निर्माण विभाग के सचिव कुमार रवि ने कार्यालय कक्ष में इंटर्नशिप किट प्रदान की। किट में कार्यक्रम से संबंधित दिशा-निर्देश एवं नियमावली शामिल हैं।

चयनित इंटर्न देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों में अध्ययनरत हैं। गुंजा कुमारी महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय से गाँधी एवं शांति अध्ययन विभाग से “भारत में सामाजिक न्याय की अवधारणा : बुद्ध और गाँधी के विचारों का तुलनात्मक अध्ययन” विषय पर शोध कर रही हैं। जस्सी कुमार काशी हिंदू विश्वविद्यालय से कला इतिहास में स्नातकोत्तर की उपाधि धारण किए हैं। मो. नौशाद अली वीर कुँवर सिंह विश्वविद्यालय, आरा से इतिहास विषय में स्नातकोत्तर की उपाधि धारण किए हैं, जबकि विशाल कुमार दुबे वीर कुँवर सिंह विश्वविद्यालय से राजनीति विज्ञान में स्नातक कर रहे हैं। इंटर्न नितेश आनंद आर्यभट्ट ज्ञान विश्वविद्यालय से पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन डिजिटल एण्ड ऑनलाईन जर्नलिज्म में अध्ययनरत हैं।

तीन माह की अवधि वाले इस इंटर्नशिप कार्यक्रम के दौरान इंटर्न महात्मा गांधी के जीवन-मूल्यों और विचारों

पर आधारित विभिन्न विषयों पर शोध कर लिखित सामग्री तैयार करेंगे। तैयार सामग्री का उपयोग बापू टावर आने वाले दर्शकों को गाँधीजी के विचारों से परिचित कराने और उनके ज्ञानवर्धन के उद्देश्य से किया जाएगा। शैक्षणिक हलकों में इस पहल को युवा पीढ़ी के बीच गाँधी के विचारों से जोड़ने की महत्वपूर्ण कड़ी माना जा रहा है। इस अवसर पर बापू टावर के निदेशक विनय कुमार ने इंटर्नों को सामाजिक जिम्मेदारी और उच्च नैतिक मूल्यों के प्रति सजग रहने की सलाह दी। कार्यक्रम में उप निदेशक ललित कुमार सिंह, उप सचिव किरण कुमारी, अवर सचिव अरुण कुमार पाठक तथा प्रशाखा पदाधिकारी प्रत्युष चंद मिश्रा सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।



इंटर्न को कीट प्रदान करते बापू टावर के अध्यक्ष
कार्यकारिणी श्री कुमार रवि, भा.प्र.से.



बी.डी. कॉलेज में आउटरीच कार्यक्रम में अध्यक्षता करती प्राचार्या डॉ० रत्ना अमृत, मुख्य वक्ता श्री नरेन्द्र पाठक के संग बापू टावर के निदेशक एवं उपनिदेशक

बी.डी. कॉलेज में 'छात्र गांधी' पर संवाद

बापू टावर के आउटरीच कार्यक्रम के तहत दिनांक 25 सितम्बर, 2025 को पटना शहर के बी.डी. कॉलेज मीठापुर में 'महात्मा गांधी का छात्र जीवन' विषय पर आयोजित व्याख्यान का उद्घाटन बी.डी. कॉलेज, पटना की प्राचार्या श्रीमती रत्ना अमृत द्वारा किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत में बापू टावर के उपनिदेशक, ललित कुमार सिंह ने छात्रों को बापू टावर की परिकल्पना और संस्थान की आगामी योजनाओं के बारे में जानकारी साझा की। इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य वक्ता जगजीवन राम शोध संस्थान के पूर्व निदेशक नरेंद्र पाठक द्वारा छात्र-छात्राओं के बीच संबंधित विषय पर व्याख्यान दिया गया। उन्होंने महात्मा गांधी के छात्र-जीवन के बारे में विस्तार से छात्र-छात्राओं को बताया। श्री पाठक ने लंदन में पढ़ाई के दौरान, अफ्रीका प्रवास और बाद के स्वतंत्रता आंदोलन के क्रमिक इतिहास को छात्रों के समक्ष रखा। उन्होंने स्पष्टता

से इस बात को रेखांकित किया कि सीखने की कोई उम्र नहीं होती और गांधी जी आजीवन विद्यार्थी बने रहे। उन्होंने महात्मा गांधी की किताब 'सत्य के साथ मेरे प्रयोग' और लुई फिशर की लिखी 'गांधी की जीवनी' पढ़ने की सलाह छात्रों को दी। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बी.डी. कॉलेज मीठापुर की प्राचार्या रत्ना अमृत ने छात्र-छात्राओं को महात्मा गांधी के जीवन से प्रेरणा ग्रहण करने की बात कही। इस अवसर पर बापू टावर के निदेशक, विनय कुमार ने महात्मा गांधी के जीवन और उनके आदर्शों को बड़े रोचक अंदाज में पेश किया। कार्यक्रम का संचालन बी.डी. कॉलेज के प्राध्यापक विशाल विजय ने किया जबकि धन्यवाद ज्ञापन प्राध्यापक, नीतू तिवारी द्वारा किया गया। इस अवसर पर बापू टावर के पदाधिकारियों कर्मचारियों के साथ ही बड़ी संख्या में कॉलेज के शिक्षक व छात्र-छात्राएं भी उपस्थित रहे।

पंडित तरुण भट्टाचार्य ने छेड़े संतूर के सुर

बापू टावर के सहयोग से स्पिक मैके और इंपैक्ट कॉलेज, पटना के द्वारा पंडित तरुण भट्टाचार्य के संतूर वादन का कार्यक्रम दिनांक 2 दिसम्बर, 2024 को आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में पं. तरुण भट्टाचार्य ने संतूर वादन कर दक्षिण से उत्तर भारत की समग्र संस्कृति को पेश किया। इनके साथ तबला पर ज्योतिर्मय रॉयचौधरी ने संगत किया। संतूर के विभिन्न धुनों के बारे में बताते हुए, पं. भट्टाचार्य ने कहा कि संतूर के धुन की शुरुआत केरल से होते हुए विश्व विख्यात हुई। उन्होंने सवा घंटे तक भारत रत्न पं. रविशंकर द्वारा बनाई गई राग जन सम्मोहिनी की प्रस्तुति दी। साथ ही विभिन्न देशों में संतूर के अलग-अलग नाम के बारे में बताया। इस अवसर पर श्री भट्टाचार्य ने वैष्णव जन तो तेने कहिए भजन को भी संतूर के सुरों में ढाला। इस अवसर पर बापू टावर के निदेशक विनय कुमार ने कहा कि गाँधीजी हमेशा से लोगों को प्रकृति के बीच पलने-बढ़ने की प्रेरणा देते रहे। उन्होंने प्रकृति के बीच अवस्थित सौंदर्य को महसूस करने के लिए प्रेरित किया। गांधी जी पशु-पक्षियों की आवाज को सुनकर मन को शांत करने के लिए मेडिटेशन का तरीका बताया करते थे। उन्होंने कहा कि ध्यान करने से मन को शांति मिलती है और तनाव दूर होता है। प्रकृति की इस मधुर ध्वनि को विभिन्न वाद्य यंत्रों की धुन में विकसित किया गया। हम लोगों ने इसी

को ध्यान में रखते हुए, इस कार्यक्रम का आयोजन किया। श्री कुमार ने बताया कि आगे भी निरंतर गांधीजी से संबंधित विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन बापू टावर में किया जाएगा। इस अवसर पर बापू टावर के विशेष कार्य पदाधिकारी नीलिमा साहू, स्पिक मैके के अध्यक्ष मनीष कुमार और इंपैक्ट कॉलेज की प्रिंसिपल डा. निहारिका तिवारी सहित कई पदाधिकारी, शिक्षक और छात्र-छात्राएं दर्शक के रूप में उपस्थित रहे।



बापू टावर में संतूर वादन करते पं. तरुण भट्टाचार्य



रुचिरा केदार का शास्त्रीय गायन

गत 20 अगस्त, 2025 (बुधवार) को बापू टावर, स्पीक मैके तथा इम्पैक्ट कॉलेज पटना के संयुक्त तत्वावधान में विदुषी श्रीमती रुचिरा केदार के हिन्दुस्तानी शास्त्रीय गायन का आयोजन किया गया। श्रीमती रुचिरा केदार ने शास्त्रीय रागों एवं उसकी बारीकियों के बारे में प्रारंभिक जानकारी इम्पैक्ट कॉलेज के छात्र-छात्राओं को दी। उन्होंने संगीत की बारीकियों के बारे में विस्तार से अपनी बात रखी। तत्पश्चात् विभिन्न रागों पर आधारित शास्त्रीय गायन एवं बनारस की कजरी से उपस्थित श्रोताओं के समक्ष समा बांध दिया। छात्रों के लिए सबसे उत्साहवर्द्धक अवसर था हर राग और उसके पहर के बारे में जानकारी प्राप्त करना। कार्यक्रम का समापन महात्मा गांधी के सुप्रसिद्ध प्रिय भजन 'वैष्णव जन तो तेने कहिँ' से हुआ। कार्यक्रम में तबले पर उनके साथ अर्कदीप दास और हारमोनियम पर सारंग साम्भरे संगत कर रहे थे। श्रीमती केदार के गायन से मुग्ध छात्र-छात्राओं की तालियों की गड़गड़ाहट से बापू टावर का सभागार देर तक गूंजता रहा। इस तरह के आयोजन से युवाओं के बीच शास्त्रीय संगीत की समझ पैदा होती है और अपनी परंपरा के प्रति गहरा लगाव उत्पन्न होता है। इस अवसर पर स्पिक मैके के मनीष कुमार, बापू टावर के निदेशक, विनय कुमार एवं उप निदेशक, ललित कुमार के साथ ही बड़ी तादाद में इम्पैक्ट कॉलेज की छात्र-छात्राएं उपस्थित थीं।

सत्याग्रह इंटर्नशिप

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत केंद्र सरकार के निर्णय के आलोक में बापू टावर द्वारा गैर वित्तीय मोड में सत्याग्रह इंटर्नशिप की शुरुआत की गई। इस कार्यक्रम के तहत विभिन्न महाविद्यालयों के छात्र छात्राओं को 15 दिनों का इंटर्नशिप कार्यक्रम बापू टावर द्वारा संचालित किया जा रहा है। यह इंटर्नशिप मई-जून और नवंबर - दिसंबर में कराया जाता है। पिछले दिनों इस कार्यक्रम के तहत मगध महिला महाविद्यालय पटना, ए.एन.कॉलेज, पटना और बी.डी. कॉलेज पटना के छात्र-छात्राओं को महात्मा गांधी के सिद्धांतों और आदर्शों के अनुरूप इंटर्नशिप संचालित किया गया।



गांधी ज्ञान परीक्षा का आयोजन

महात्मा गांधी के जीवन आदर्शों और सिद्धांतों को छात्रों के बीच लोकप्रिय बनाने के उद्देश्य से बापू टावर की नवाचार योजना के तहत गांधी ज्ञान परीक्षा का आयोजन बापू टावर पटना में किया गया। इस परीक्षा में ए.एन.कॉलेज पटना, मगध महिला कॉलेज पटना और बी.डी. कॉलेज पटना के छात्रों के बीच गांधी जी द्वारा आजादी की लड़ाई में किए गए उनके योगदान और सिद्धांतों पर आधारित वस्तुनिष्ठ प्रश्नों

शेष अगले पृष्ठ पर...



महात्मा गांधी के प्रिय भजन पर सुर-संध्या

बापू टावर में संदीप भट्टाचार्य

नरसी मेहता रचित महात्मा गांधी के प्रिय भजन “वैष्णव जन तो तेने कहिये जे, प्रीत पराई जाने रे, पर दुखखे उपकार करे तोये, मन अभिमान न आने रे...” पर आधारित भारतीय शास्त्रीय संगीत कार्यक्रम ‘बैठकी’ का आयोजन शनिवार 25 जनवरी, 2025 को बापू टावर में किया गया। इसे भारतीय शास्त्रीय संगीत और कला के प्रचार-प्रसार के लिए समर्पित संस्था निनाद के सहयोग से बापू टावर ऑडिटोरियम में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में कोलकाता के प्रसिद्ध शास्त्रीय गायक संदीप भट्टाचार्य ने भारतीय शास्त्रीय संगीत की प्रस्तुति दी। व्याख्यान सत्र में उन्होंने संगीत के विभिन्न रूपों की परंपरा और महत्व पर चर्चा की। उनके साथ तबले पर कोलकाता के रूपक मित्रा और हारमोनियम पर पटना के सुधीर कुमार ने संगत किया। यह कार्यक्रम उस्ताद जाकिर हुसैन को भावभीनी श्रद्धांजलि के रूप में आयोजित किया गया। बैठकी में भवन निर्माण विभाग के सचिव आई.ए.एस. कुमार रवि मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए। इस अवसर पर निनाद की नीलम चौधरी ने कहा कि यह आयोजन विचारों, परंपराओं और सांस्कृतिक धरोहर के संगम को एक अंतरंग माहौल में प्रस्तुत करने की दिशा में एक सकारात्मक एवं सराहनीय प्रयास है।

पिछले पृष्ठ से...

के माध्यम से गांधीजी के योगदान से संबंधित जिज्ञासा का संचार किया गया। इस कार्यक्रम ने कॉलेज के प्राध्यापकों को और छात्रों के बीच गांधी जी के संबंध में व्यापक जागरूकता लाने में अपनी महती भूमिका निभाई।



स्पीक मैके के सहयोग से आयोजित हुआ पंडित शुभेन्द्र राव सितारवादन

स्पीक मैके एवं बापू टावर के संयुक्त तत्वावधान में दिनांक 10 जनवरी को बापू टावर में पंडित शुभेन्द्र राव के सितारवादन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पंडित राव के सितारवादन ने उपस्थित श्रोता समुदाय को चमत्कृत करते हुये श्रोताओं को संगीत के विराट स्वरूप से परिचित कराया। संगीत की तान में श्रोता काफी देर तक डूबते उतराते रहे। पंडित राव ने इस अवसर पर श्रोताओं को सितर वादन की बारीकियों से परिचित कराते हुये इसकी परंपरा और इतिहास पर भी जानकारीयाँ साझा की। उनके साथ तबले पर प्रसिद्ध तबलावादक पंडित मिथिलेश झा संगत कर रहे थे। तबले और सितार की जुगलबंदी ने श्रोताओं के समक्ष संगीत जादू को मंच पर साकार कर दिया। इस अवसर पर स्पीक मैके बिहार चैप्टर के अध्यक्ष मनीष कुमार ने स्पीक मैके द्वारा आयोजित किए जाने वाले संगीत प्रस्तुतियों और छात्र समुदाय के बीच संगीत की व्यापक पहुंच बनाने में संस्था के योगदान के बारे में विस्तार से बताया। बापू टावर के निदेशक ने आगत अतिथियों के प्रति आभार जताते हुये स्पीक मैके के आगामी आयोजनों से भी बापू टावर को जोड़े जाने की जरूरत पर बल दिया। इस अवसर पर बापू टावर के सभी पदाधिकारी कर्मचारियों के साथ ही बड़ी संख्या में श्रोताओं की उपस्थिति रही।

महात्मा गाँधी की पुण्यतिथि पर गांधी जी पर आधारित डाक टिकटों की प्रदर्शनी

जीपीओ, पटना और बापू टावर का संयुक्त आयोजन



30 जनवरी, 2025 को बापू टावर, पटना में गांधीजी की पुण्यतिथि के अवसर पर जी.पी.ओ, पटना एवं बापू टावर, पटना के संयुक्त तत्वावधान में 'गांधीजी के जीवन पर आधारित डाक टिकट' की प्रदर्शनी आयोजित की गई, जो फरवरी, 2025 तक आम दर्शकों के अवलोकनार्थ उपलब्ध रही।

डाक टिकट प्रदर्शनी का उद्घाटन जी.पी.ओ, पटना के सी.पी.एम. रंजय सिंह, फिलेटली इंचार्ज अखिलेश कुमार एवं बापू टावर के निदेशक विनय कुमार के द्वारा संयुक्त रूप से किया गया।

इस प्रदर्शनी में महात्मा गांधी के जीवन से जुड़े कई महत्वपूर्ण डाक टिकटों को प्रदर्शनी के रूप में लगाया गया था। इस अवसर पर जी.पी.ओ. पटना के पी.ए. सुधांशु शेखर एवं राहुल कुमार भी उपस्थित थे।

यह डाक-टिकट प्रदर्शनी न सिर्फ गांधीजी को जानने वालों के लिए उत्सुकता का विषय बनी बल्कि प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे छात्र-छात्राओं के लिए भी महत्वपूर्ण साबित हुई। यह प्रदर्शनी गांधी

और स्वतंत्रता आन्दोलन से जुड़े कई रोचक एवं महत्वपूर्ण तथ्यों से भरपूर थी।

आम दर्शक बापू टावर में लगे बापू के प्रदर्शों के अलावा बापू पर आधारित दुर्लभ एवं महत्वपूर्ण डाक-टिकट के प्रदर्श के माध्यम से गांधीजी के जीवन के विभिन्न रूपों को नजदीक से देखकर लाभान्वित हुए।

यह प्रदर्शनी छात्र-छात्राओं खासकर स्कूली बच्चों के लिए आकर्षण का केन्द्र बना रहा। एक माह में करीब पंद्रह हजार दर्शकों ने इस अद्भुत प्रदर्शनी को देखकर गांधीजी के जीवन एवं सिद्धांतों के बारे में जानकारियां हासिल कीं।



डाक टिकटों में गांधीजी

सितार, कथक और शास्त्रीय गायन निनाद के द्वारा शास्त्रीय रागों और कथक पर कार्यक्रम



पटना, निनाद संस्था की ओर से बापू टावर में दिनांक 29 अप्रैल, 2025 को अंतर्राष्ट्रीय नृत्य दिवस के अवसर पर कथक नृत्य का अयोजन किया गया। देश की विख्यात कथक नृत्यांगना सुश्री

शास्वती सेन और बिहार की प्रख्यात नृत्यांगना सुश्री नीलम चौधरी के द्वारा कथक नृत्य प्रस्तुत किया गया और कथक की बारीकियों पर चर्चा की गयी। इस विशेष अवसर पर निनाद की सचिव नीलम चौधरी, अध्यक्ष राजीव सिन्हा और निशीथ वर्मा (भा.प्र.से.) सहित संगीत प्रेमी राजेश वर्मा, अंजन वर्मा, रश्मि चौधरी, नीलिमा साहू और अविनाश कुमार सिन्हा उपस्थित थे। कार्यक्रम बापू टावर के सहयोग से आयोजित किया गया। उक्त कार्यक्रम संगीत, परंपरा और कला अभिव्यक्तियों को एक साथ जोड़ते हुए यह भारतीय सांस्कृतिक विरासत के प्रति गहरी समझ विकसित करने का एक प्रयास था।

इस क्रम में दिनांक 21 जून, 2025 को विश्व संगीत दिवस के अवसर पर दो प्रतिभाशाली कलाकारों ने अपनी प्रस्तुतियों से इस संगीत संध्या को विशेष बना दिया। उभरते

हुए युवा कलाकार अथर्व मानस और अनुभवी गायक जय प्रकाश ने प्रस्तुति दी। अथर्व मानस ने सबसे पहले राग यमन में बंदिश प्रस्तुत की। इसके बाद जय प्रकाश ने इसी राग पर आधारित एक फिल्मी गीत गाया। उनके गायन ने दिखाया कि शास्त्रीय संगीत ने भारतीय सिनेमा को किस प्रकार सहज रूप से प्रभावित किया है। शहर के जाने-माने शास्त्रीय गायक रजनीश कुमार ने इसकी संगीतात्मक विशेषताओं पर प्रकाश



बापू टावर में गूंजे युवा सितारवादक श्री उमाशंकर के सितार के स्वर

डाला। इन रागों के व्याकरण और सुगम संगीत में उनकी स्वतंत्रता पर चर्चा की। इसी क्रम में राग केदार, खमाज, चारुकेशी, भैरवी और पहाड़ी की प्रस्तुतियां हुईं। युवा सितार वादक उमाशंकर ने महात्मा गांधी के प्रिय भजनों को बजाया जिसे काफी पसंद किया गया। मंच संचालन अर्चना चौधरी ने किया।

आधुनिक चित्रकला आंदोलन पर विमर्श ज्योतिष जोशी की किताब पर पाटल संवाद



बापू टावर में व्याख्यान देते
डॉ. ज्योतिष जोशी

साहित्य, कला, और संस्कृति को समर्पित संस्था पाटल और बापू टावर के संयुक्त तत्वावधान में दिनांक 08 दिसम्बर, 2024 को पाटल संवाद का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में ज्योतिष जोशी की महत्वपूर्ण किताब 'आधुनिक कला आंदोलन' पर चर्चा आयोजित की गई।

कार्यक्रम का संयोजन पाटल के संयोजक डा. विनय कुमार ने किया। संवाद की प्रस्तावना रखते हुए उन्होंने कहा कि कला मनुष्य की आदिम और सबसे स्वाभाविक अभिव्यक्ति है। कला की प्रकृति असीम स्वतंत्रता की है, लेकिन समय के साथ मनुष्य की बनाई संस्थाओं ने इसे सीमित किया है। सभी कला आंदोलनों का उद्देश्य इन सीमाओं को तोड़ना रहा है। उन्होंने ज्योतिष जोशी की इस किताब को यूरोपीय और भारतीय कला की तीन सौ वर्षों की यात्रा को समझने के लिए अद्वितीय स्रोत बताया। कार्यक्रम में प्रसिद्ध कला समीक्षक अशोक भौमिक ने यूरोप के आधुनिक कला आंदोलनों पर विस्तार से बात की।

पावर प्वाइंट प्रजेंटेशन के जरिये उन्होंने कला में आधुनिकता के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा,

आधुनिकता का अर्थ है कला में आम आदमी का प्रवेश और उसके जीवन का सम्मान। पुस्तक के लेखक ज्योतिष जोशी ने अपनी किताब की रचना प्रक्रिया के बारे में बात करते हुए कहा कि यह किताब आधुनिक कला आंदोलनों को समझने की एक विनम्र कोशिश है तथा उनकी आगे भी खासकर आधुनिक कला के प्रयोगों को लेकर इस दिशा में काम करने की योजना है। विख्यात कला समीक्षक विनय कुमार ने ज्योतिष जोशी के कला लेखन की सराहना करते हुए इसे कला आंदोलनों के इतिहास को गहराई से समझने के लिए एक महत्वपूर्ण पुस्तक बताया। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि इक्कीसवीं सदी की भारतीय कला पर और अधिक सामग्री लाने की जरूरत है। कार्यक्रम का संचालन कला महाविद्यालय के पूर्व प्राचार्य अजय पांडेय ने किया। इस अवसर पर प्रो. तरुण कुमार, विनोद अनुपम, मिलन दास, अनीश अंकुर, संतोष दीक्षित, कुमार मुकुल, राजेश कमल आदि के साथ ही बड़ी संख्या में शहर के बुद्धिजीवी एवं संस्कृतिकर्मी उपस्थित थे।



मंच पर प्रो. अजय कुमार पाण्डेय, पूर्व प्राचार्य, कला एवं शिल्प महाविद्यालय, पटना और कला समीक्षक अशोक भौमिक

आजादी की लड़ाई और तवायफ संस्कृति पर संवाद पाटल संवाद में गरिमा के कोठे पर विमर्श



प्रो. पंकज पराशर

‘तवायफों के कोठे केवल मनोरंजन के केंद्र नहीं थे, बल्कि कभी वे तहजीब, अदब और संगीत-संस्कृति सीखने की महत्वपूर्ण जगह माने जाते थे। रईस और सभ्रांत परिवार अपने बच्चों को वहाँ शिष्टाचार, भाषा की नफासत और कला-संस्कार सीखने के लिए भेजा करते थे। उस दौर में ये स्थल सामाजिक और सांस्कृतिक परंपराओं के संरक्षण के केंद्र भी थे।’

ये बातें बिहार सरकार के पूर्व मुख्य सचिव आमिर सुबहानी द्वारा बापू टावर सभागार में दिनांक 10 अगस्त 2025 को आयोजित ‘गरिमा के कोठे’ विषय पर आयोजित विशेष व्याख्यान के तहत पाटल संवाद में कही गयी। यह कार्यक्रम विजय वर्मा मेमोरियल ट्रस्ट और बापू टावर के सहयोग से हुआ, जिसमें वक्ताओं ने पटना की तवायफों की समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा और उनके योगदान पर विचार रखे। अध्यक्षता बापू टावर के निदेशक और महत्वपूर्ण कला चिन्तक विनय कुमार ने की। सुप्रसिद्ध कवि डा. विनय कुमार ने कहा कि व्याख्यानकर्ता डा. पंकज पराशर शास्त्रीय संगीत

के जानकार हैं। तवायफों की परंपरा पर गहराई से शोध कर चुके हैं। उन्होंने कहा कि तवायफ शब्द को अपमान की दृष्टि से देखने के बजाय इसके ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व के दृष्टिकोण से समझना चाहिए। डा. पंकज पराशर ने मशहूर तवायफ विद्याधरी बाई के 1921 के गीत को शुभा मुद्गल की रिकॉर्डेड आवाज में सुनाया। उन्होंने बताया कि स्वतंत्रता आंदोलन में तवायफों के योगदान को नजरअंदाज किया गया है। अजीजु निशा जैसी वीरांगनाओं ने अंग्रेजों से लोहा लिया। यहां तक कि उन्हें तोप से उड़ाकर मार दिया गया, लेकिन उन्होंने गद्दारी नहीं की।

मुख्य वक्ता डा. पंकज पराशर ने पटना में तवायफों की समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा और उससे जुड़े कई किस्सों को साझा किया। कार्यक्रम में पटना कॉलेज के पूर्व प्राचार्य प्रो. तरुण कुमार, अभिनेता विनीत कुमार, लेखक अरुण कुमार, कवि राजेश कमल, शायर समीर परिमल, कथाकार अशोक, यादवेन्द्र, पुंज प्रकाश और कवि प्रत्यूष चंद्र मिश्रा समेत कई साहित्यकार और कलाकार मौजूद थे।



बिहार म्यूजियम बिनाले 2025 में विश्वरूप राम प्रदर्शनी के उद्घाटन के अवसर पर श्री अंजनी कुमार सिंह, महानिदेशक बिहार म्यूजियम, पटना

बिहार म्यूजियम बिनाले 2025

सीमाओं से परे रामायण की विरासत

बिहार म्यूजियम बिनाले-2025 के तीसरे संस्करण ‘‘ग्लोबल साउथ: साझा इतिहास’’ के अन्तर्गत एक विशेष प्रदर्शनी का उद्घाटन 24 सितम्बर, 2025 को बापू टावर, पटना में बिहार संग्रहालय के महानिदेशक अंजनी कुमार सिंह के द्वारा किया गया। यह प्रदर्शनी आम दर्शकों के लिए 16 नवम्बर, 2025 तक खुली रही।

यह प्रदर्शनी महाकाव्य रामायण के वैश्विक प्रभाव को दर्शाती है, जिसने पूरी दुनिया की कला, संस्कृति और अध्यात्म को गहराई से प्रभावित किया है। इसमें भारत के साथ-साथ म्यांमार, कंबोडिया, मलेशिया, मैक्सिको, सिंगापुर,

थाइलैंड व अन्य देशों के कलाकारों की कलाकृतियाँ शामिल की गई हैं जिनमें रामायण से जुड़े विभिन्न पात्रों को देश विशेष के अनुसार आकार दिया गया है जो न सिर्फ राम और रामायण की सार्वभौमिकता को दर्शाती है बल्कि उन देशों के कलाकारों की भी कलात्मक शैली को उजागर करती है। पात्रों में राम, हनुमान, सूर्यनखा, रावण, जटायु जैसे महत्वपूर्ण पात्रों को अलग-अलग रूप में दर्शाया गया है। यह प्रदर्शनी राम और रामायण की वैश्विक छाप को दर्शाने वाली थी।

इस प्रदर्शनी को बापू टावर में लगाने में बिहार संग्रहालय, पटना के उप निदेशक, मौमिता घोष की अहम भूमिका रही, जबकि संयोजक के रूप में बापू टावर, पटना के निदेशक, विनय कुमार ने अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।





कजाकिस्तान के समूह 'तोमर' की प्रस्तुति मंच पर विदेशी नृत्य रंग

4 अक्टूबर, 2025 को बापू टावर के सभागार में आई.सी.सी.आर.के सहयोग से कजाकिस्तान के कलाकारों ने नृत्य की अद्भुत प्रस्तुति से समां बांध दिया। इस नृत्य समूह ने कजाकिस्तान की समृद्ध संस्कृति और वहां की विरासत को मंच पर जीवंत कर दिखाया। बारह नृत्यांगनाओं के समूह 'तोमर' द्वारा दी गयी इस प्रस्तुति को देखकर सभागार में उपस्थित दर्शक समूह ने दांतों तले उंगलियां दबा ली। हर दृश्य के साथ कलाकारों के बदलते परिधान और उनकी मोहक छवियों ने इस नृत्य प्रस्तुति को अपने उत्कर्ष तक पहुंचा दिया। कलाकारों की हर भंगिमा और संगीत-नृत्य की जबरदस्त जुगलबंदी ने यह साबित किया कि बापू टावर की पहचान अब एक जीवंत और महात्मा गांधी के अत्याधुनिक संग्रहालय

के रूप में है। इस मौके पर भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद की क्षेत्रीय निदेशक स्वधा रिजवी ने कहा कि इस तरह के कार्यक्रमों के होने से देशों के बीच सांस्कृतिक संबंध मजबूत होते हैं। दुनिया के तमाम मुल्कों के लोग कला के माध्यम से एक मंच पर आते हैं। उन्होंने आगे कहा कि मानव जीवन के विविध रंगों की अभिव्यक्ति बहुत खुबसूरत तरीके से कला माध्यम से ही संभव है। कलाकारों का स्वागत करते हुए बापू टावर के निदेशक, विनय कुमार ने इस तरह के और भी कार्यक्रमों के आयोजन की आवश्यकता पर बल दिया। इस अवसर पर बापू टावर के पदाधिकारियों-कर्मचारियों के साथ ही डीपीएस पटना के शिक्षक और छात्र-छात्राओं की भी बड़ी संख्या में उपस्थिति रही।



26 जनवरी गणतंत्र दिवस के अवसर पर भवन निर्माण विभाग के सचिव श्री कुमार रवि, भा.प्र. से. और निदेशक श्री विनय कुमार भा.प्र.से. के साथ बापू टावर के पदाधिकारी एवं कर्मिगण

बापू टावर में श्री कुमार रवि, भा.प्र.से. ने किया झंडोतोलन

बापू टावर में गणतन्त्र दिवस के अवसर पर झंडोतोलन का कार्यक्रम आयोजित किया गया। झंडोतोलन भवन निर्माण विभाग के सचिव श्री कुमार रवि द्वारा किया गया। उन्होंने इस अवसर पर अपने सम्बोधन में कहा कि हमें अपनी राष्ट्रीय एकता और अखंडता को अक्षुण्ण रखने के हर संभव प्रयास करने चाहिये। उनके द्वारा इस अवसर पर स्कूल बच्चों के बीच गांधी जी से जुड़ी पुस्तकें वितरित की गईं। बापू टावर के निदेशक विनय कुमार ने इस अवसर पर अपने सम्बोधन में कहा कि गणतन्त्र दिवस हमें महात्मा गांधी और तमाम नेताओं की स्मृति को याद करने का दिवस है। इस अवसर पर बापू टावर के सभी पदाधिकारी और कर्मी उपस्थित थे।



30 जनवरी शहीद दिवस के अवसर पर बापू टावर में महात्मा गाँधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण के बाद बापू टावर के पदाधिकारी एवं कर्मिगण

भारतीय प्रशासनिक सेवा में शामिल हुए बापू टावर के दो पदाधिकारी



विनय कुमार
निदेशक, बापू टावर
भा.प्र.से. 2015 बैच



श्रीमती नीलिमा साहू
विशेष कार्य पदाधिकारी,
भा.प्र.से. 2021 बैच

